राजनीति विज्ञान
अंकन योजना
कक्षा- XII (2025-26)

प्र. सं	अपेक्षित उत्तर	अंक
	खंड-क (12X1=12 अंक)	
1.	(ग) बहुपक्षीय कूटनीति और सहयोग में वृद्धि	1
2.	(क) रियो सम्मेलन	1
3.	(ग) दोनों कथन I और II सही हैं।	1
4.	(क) ताजिकिस्तान, अजरबैजान, अर्मिनिया	1
5.	(घ) 1990 के दशक में	1
6.	(ख) अभिकथन (अ) और कारण (का) दोनों सही है परंतु कारण (का) और अभिकथन (अ) की सही व्याख्या नहीं है।	1
7.	(ग) राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास	1
8.	अटल बिहारी वाजपेयी	1
9.	दीन दयाल उपाध्याय	1
10.	I-ग, II-क, III-घ, IV-ख	1
11.	(ग) गुलाम मोहम्मद सादिक	1
12.	(क) iii, ii, iv, i	1
	खंड- ख(6X2=12 अंक)	
13.	प्रथम पंचवर्षीय योजना में कृषि क्षेत्रक, बांध एवं सिंचाई की सुविधाओं पर बल दिया। इसमें साक्षरता पर दर बढ़ाने पर भी ध्यान दिया गया। इसके साथ ही बचत करने तथा प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने पर ध्यान दिया गया। ये योजना आयोग की प्रारंभिक पहल थीं जिसमें योजनाबद्ध विकास की पहल की गई। परीक्षार्थी द्वितीय पंचवर्षीय योजना का उल्लेख भी कर सकते हैं। (कम से कम दो कार्यक्रमों का उल्लेख)	2
14.	i) मालदीव, एक द्वीप राष्ट्र, 1968 तक एक सल्तनत था। इसे राष्ट्रपति शासन प्रणाली के साथ एक गणराज्य में बदल दिया गया। ii) जून 2005 में मालदीव की संसद ने सर्वसम्मति से बहुदलीय प्रणाली के लिए मतदान किया। एमडीपी द्वीप के राजनीतिक मामलों पर हावी है। 2005 के चुनावों के बाद मालदीव में लोकतंत्र मजबूत हुआ जब कुछ विपक्षी दलों को वैधानिक मान्यता दी गई। (कोई दो बिंदु)	2
15.	i) **निरस्त्रीकरण**: इसके अंतर्गत राज्यों को कुछ विशेष प्रकार के हथियार त्यागने की बाध्यता है जैसे जनसंहार करने वाले रसायनिक हथियारों को त्यागना। ii) **विश्वास निर्माण (विश्वास की बहाली):** सहयोगात्मक सुरक्षा विश्वास निर्माण को सुरक्षा का एक साधन मानती है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो सुनिश्चित करती है कि गलतफहमी अथवा गलत अवधारणा के कारण विरोधी युद्ध की ओर न जाएं। iii) **अस्त्र नियंत्रण**: इसके अंतर्गत हथियारों के निर्माण अथवा हथियार प्राप्त करने को नियमित किया गया है। एंटी बैलास्टिक मिसाइल संधि-1972 में संयुक्त राज्य अमरीका और सोवियत संघ को न्यूक्लियर आक्रमण करने के लिए बैलास्टिक मिसाइलों का प्रयोग करने से रोकने का प्रयास किया। अन्य कोई प्रासंगिक कोई उत्तर (कोई दो बिंदु)	1+1=2

16.	i) इसकी नियुक्ति भारतीय समाज के विभिन्न वर्गों में शैक्षिक और सामाजिक पिछड़ेपन को जाँचने के लिए की गई थी। ii)पिछली जातियों को पहचानने तथा उनके पिछड़ेपन को समाप्त करने के लिए सिफ़ारिशे करने के लिए कोई अन्य प्रासंगिक उत्तर	1+1=2
17.	एक-दलीय प्रभुत्व का अर्थ है कि प्रतिस्पर्धी लोकतांत्रिक प्रणाली में एक पार्टी राजनीतिक रूप से प्रमुख बनी रहती है, जबकि एक-दलीय प्रणाली से तात्पर्य ऐसी प्रणाली से है, जहां केवल एक ही कानूनी राजनीतिक पार्टी मौजूद होती है, जिसमें कोई प्रतिस्पर्धा नहीं होती (उदाहरण के लिए, चीन)।	2
18.	i) वैश्विक निर्धनता (गरीबी) का अर्थ विश्व में व्याप्त निर्धनता से है। आने वाले दशकों में यह निर्धनता 9 से 10 बिलियन लोगों को अपने चंगुल में ले लेगी। वर्तमान में विश्व में जनसंख्या की वृद्धि का आधा केवल 6 देशों में- भारत, चीन, पाकिस्तान, नाइजीरिया, बांग्लादेश और इंडोनेशिया में होगा। विश्व के निर्धन देशों में अगले 50 वर्षों में जनसंख्या तीन गुणा बढ़ने की संभावना है। जबकि अमीर देश में जनसंख्या घट रही है। ii) प्रति व्यक्ति अधिक आय और जनसंख्या में वृद्धि की कम दर अमीर देशों को अमीर और गरीब देशों को गरीब बना रही है। विश्व स्तर पर इस असमानता से उतरी और दक्षिणी गोलार्द्ध के बीच अंतर बढ़ रहा है। अन्य कोई प्रासंगिक उत्तर (कोई दो)	1+1=2
	खंड ग (5x4=20 अंक)	
19.	i) भारत के आकार, अवस्थिति और शक्ति के कारण जवाहरलाल नेहरू ने विश्व के मामलों और विशेषत: एशिया में भारत की बड़ी भूमिका का सपना देखा। ii) नेहरू जी के नेतृत्व में भारत ने नव स्वतंत्र एशियाई और अफ्रीकी देशों के साथ संपर्क पैदा किया। iii)1940 और 1950 के दशक में नेहरू जी ने बड़े उत्साह के साथ एशियाई ताकत की वकालत की। उनके नेतृत्व में भारत में एशियाई संबंध सम्मेलन का मार्च 1947 में स्वतंत्रता से 5 महीने पहले आयोजन किया। iv)1949 में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के माध्यम से भारत ने इंडोनेशिया को डच औपनिवेशक चंगुल से मुक्त करने का प्रयास भी किया था। v)1955 में इंडोनेशिया के शहर बांडुंग में नव स्वतंत्र एशिया और अफ्रीकी देशों का सम्मेलन किया गया जिसे बांडुंग सम्मेलन कहा जाता है। अथवा को अन्य कोई प्रासंगिक (या कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु)	2x2=4
20.	i. क्षेत्रीय आकांक्षाएं लोकतांत्रिक राजनीति का अंग है। क्षेत्रीय आकांक्षाओं की पूर्ति लोकतांत्रिक ढंग से करनी होती है। ii. भारत एक विशाल देश है जहां विभिन्न भागों की अलग संस्कृति अलग भाषाएँ हैं। अर्थात विविधता है। iii. विभिन्न मांगों को लोकतांत्रिक ढंग से पूरा किया जाता है। iv. केंद्रीय सरकार क्षेत्रीय मांगों पर ध्यान देती है और उन्हें समायोजित करती है। इससे भारत की विविधता में एकता की झलक मिलती है क्योंकि सभी क्षेत्र केंद्रीय सरकार से अपनी मांगों के पूरा होने की अपेक्षा करते हैं। (या कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु)	4

21 क.	i. भारत और रूस के संबंध भारत की विदेशी नीति का एक महत्वपूर्ण अंग हैं। इन देशों के संबंध आपसी विश्वास और आपसी साझे हितों का इतिहास है। ii. दोनों देश बहुध्रुवीय विश्व की दृष्टि रखते हैं। iii. इन संबंधों के कारण भारत को कश्मीर, ऊर्जा आपूर्ति, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद की जानकारी को साझा करने, मध्य एशिया तक पहुंच बनाने तथा चीन के साथ संबंधों को संतुलित करने में सहायता मिलती है। iv. दूसरी ओर रूस को भी भारत के साथ अच्छे संबंधों से लाभ मिलता है क्योंकि रूस के लिए भारत हथियारों का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। भारतीय सेना अपने लिए बड़ी मात्रा में रूस से हथियार लेती है। v. भारत के लिए रूस महत्वपूर्ण है क्योंकि कष्ट के समय रूस भारत की मदद करने के लिए तैयार रहता है। भारत अपनी जरूरत के लिए आवश्यक तेल रूस से आयात करता है। vi. रूस, भारत की नाभिकीय ऊर्जा में सहायक रहता है। उदाहरण के लिए रूस ने भारत को जरूरत के समय क्रायोजेनिक रॉकेट उपलब्ध कराया करवाया था।	4
	-अथवा-	
21 ख.	**दो सकारात्मक विशेषताएं-** i. सोवियत प्रणाली के अंतर्गत लोगों को जीवन का एक मानक स्तर सुनिश्चित था। ii. स्वास्थ्य, शिक्षा, बच्चों की देखभाल को रियायती दर पर उपलब्ध कराया जाता था तथा अन्य कल्याणकारी योजनाएं उपलब्ध थी। iii. सरकार के स्वामित्व को अधिक महत्व दिया जाता था। भूमि और उत्पादक संपत्तियों पर सोवियत सरकार का नियंत्रण था। **नकारात्मक विशेषताएं-** i) सोवियत प्रणाली में नौकरशाही हावी थी और एकाधिकार पनप रहा था। ii) सत्तात्मकवाद का अभिप्राय लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का न होना है। iii) सोवियत अर्थव्यवस्था जड़ होती जा रही थी। iv) सोवियत सरकार ने परमाणु अस्त्रों तथा उपग्रह बनाने पर अथाह खर्च किया जिससे सोवियत अर्थव्यवस्था पर बोझ बढ़ गया और लोगों की आवश्यक सुविधाएं घटने लगीं। (प्रत्येक के कोई दो)	2 2 2x2=4
22 क.	वैश्वीकरण के दो कारण– 1. संचार और यातायात प्रोद्योगिकी का विकास- एक देश से दूसरे देश जाने, विचार के प्रवाह एवं वस्तुओं के प्रवाह को बढ़ाती है। 2. आपसी जुड़ाव- आज हम एक दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं। आज विश्व के एक भाग में घटने वाली घटनाओं विश्व के दूसरे हिस्सों में प्रभाव पड़ता है। अतः परस्पर निर्भरता से वैश्वीकरण को बढ़ावा मिलता है।	2x2=4
	-अथवा-	
22 ख.	i) वैश्वीकरण से राज्य की क्षमता में कमी आई है। अर्थात राज सरकार की कार्य करने की शक्ति सीमित हुई है। ii) पूर्व कल्याणकारी राज्य का स्थान अब न्यूनतम राज्य ले रहा है जो केवल कानून-व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा जैसा कार्य ही करता है। iii) अब आर्थिक और सामाजिक प्राथमिकताओं को निर्धारित करने में बाजार प्रमुख निर्धारक बन गया है। iv) पूरे विश्व में बहुराष्ट्रीय निगमों के प्रवेश से राज्य की क्षमता कम हुई है और सरकारें अपने दम पर निर्णय लेने में कमजोर हुई हैं। (या कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु)	2x2=4

23.	1977 के आम चुनावों के परिणाम: 1. पहली बार कांग्रेस को 1977 के चुनाव में हार का सामना करना पड़ा और उसने केवल 154 सीटों पर विजय प्राप्त की। 2. जनता पार्टी एवं उसके सहयोगी दलों को 542 में से 330 सीट प्राप्त हुईं। 3. कांग्रेस को बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और मध्य प्रदेश में सभी सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। 4. जनता पार्टी ने केंद्र में सरकार बनाई। 5. विपक्षी पार्टियों ने वोटों को न बंटने देने की उपयोगिता को समझा। अथवा अन्य कोई प्रासंगिक उत्तर (कोई चार)	4
24.	I.(ख) पृथ्वी सम्मेलन II.(क) पहले दुनियां और तीसरी दुनियां के देश III.(घ) पृथ्वी IV.(ख) यूरोप और उत्तरी अमरीका	4
24 क.	i) वैश्विक उत्तर (उत्तरी गोलार्द्ध) अमीर और विकसित देशों को प्रदर्शित करता है और दक्षिणी गोलार्द्ध तीसरी दुनिया के निर्धन एवं अल्प विकसित देशों को दर्शाता है। ii) भारत और चीन iii) बाहरी अंतरिक्ष, पृथ्वी का वातावरण, अंटार्कटिका, समुद्री सतह iv) संसाधनों से जुड़ी राजनीति को भू-राजनीति कहते हैं। इसका अभिप्राय है- किसको - क्या- कब और कहां मिलता है।	4
25.	सूचना का क्रमांक / संबंधित अक्षर / राज्य का नाम I / C / बिहार II / D / राजस्थान III / A / हरियाणा IV / B / मद्रास (तमिलनाडु)	4
25.1	जयप्रकाश नारायण (जेपी)	4
25.2	ग्रैंड अलायंस	
25.3	एस. निजलिंगप्पा	
25.4	एन. संजीवा रेड्डी	
26.	I. (ग) संयुक्त राज्य अमरीका और चीन II. (ग) भारत और चीन III. (ग) जापान IV. (ग) चीन	4
	खंड-ड़ (4X6=24 अंक)	
27 क.	संयुक्त राष्ट्र को मजबूत करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाने चाहिए- i. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी और अस्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए ताकि वह समकालीन विश्व का प्रभावी और बेहतर ढंग से प्रतिनिधित्व कर सके। ii. संयुक्त राष्ट्र के बजट तथा प्रशासन को मजबूत किया जाना चाहिए। भारत को स्थायी सदस्य बनाए जाने के पक्ष में कारण- क) विश्व शांति और सुरक्षा बनाए रखने में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका में भारत का महत्वपूर्ण योगदान	2+4=6

	ख) भारत दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश हैं। जहां विश्व की कुल जनसंख्या का एक $\frac{1}{5}$ भाग रहता है। ग) भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। घ) भारत ने सदैव बड़ी सक्रियता से संयुक्त राष्ट्र की कारवाईयों में भाग लिया। ङ) संयुक्त राष्ट्र के कोष में भारत का नियमित आर्थिक योगदान भी भारत को स्थायी सदस्यता प्रदान करने के पक्ष को बल प्रदान करता है। (कोई चार कारण)	
	अथवा	
27 ख.	द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद 1945 में लीग ऑफ नेशंस के उत्तराधिकारी के रूप में संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की गई थी। इसके चार्टर पर 51 देशों ने स्थापना के लिए हस्ताक्षर किए थे। इसका मूल उद्देश्य वह प्राप्त करना था जो लीग ऑफ नेशन्स प्रथम विश्व युद्ध के दौरान नहीं प्राप्त कर सका था। 1. देशों के बीच संघर्षों को रोकना और आपसी सहयोग को बढ़ावा देना 2. देशों के बीच संघर्षो को रोकना जो युद्धों में परिवर्तित हो सकते हैं। यदि युद्ध हो जाए तो उसके दुष्प्रभावों को कम करना। 3. देशों के बीच संघर्ष के कारणों को रोकने के लिए उन्हें एक दूसरे के निकट लाना जिससे पूरे विश्व में सामाजिक और आर्थिक विकास को बेहतर किया जा सके। संयुक्त राष्ट्र के अंग एवं एजेंसियां- संयुक्त राष्ट्र में विभिन्न मुद्दों पर काम करने के लिए कई अलग-अलग अंग हैं। युद्ध और सुरक्षा तथा सदस्य देशों के बीच अंतरों को हल करने के लिए महासभा एवं सुरक्षा परिषद में चर्चा होती है। सामाजिक और आर्थिक मुद्दों से जुड़े मामलों के लिए निम्नलिखित एजेंसियां काम करती है:- • डब्ल्यू.एच.ओ. (विश्व स्वास्थ्य संगठन) • यू.एन.डी.पी. (संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम) • यू.एन.एच.आर.सी (संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग) • यूनिसेफ (संयुक्त राष्ट्र बाल शिक्षा कोष) • यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) अथवा अन्य कोई प्रासंगिक उत्तर	2+4=6
28 क.	तीन क्षेत्रों में आम सहमति i) पिछड़ी जातियों के राजनीतिक और सामाजिक दावों की स्वीकृति: परिणामस्वरूप, सभी राजनीतिक दलों ने शिक्षा और रोजगार में ओबीसी के लिए आरक्षण का समर्थन किया। ii) राज्य स्तरीय दलों की भूमिका: देश के शासन में राज्य स्तरीय दलों की भूमिका को मान्यता दी गई है। केंद्र और राज्य स्तरीय दलों के बीच की खाई कम हुई है। राज्य स्तरीय दल केंद्रीय स्तर पर सत्ता साझा कर रहे हैं और पिछले दो दशकों से देश की राजनीति में केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं। iii) व्यावहारिक विचारों पर ध्यान: अधिकांश राजनीतिक दलों का जोर वैचारिक पदों के बजाय व्यावहारिक विचारों पर है। गठबंधन की राजनीति ने राजनीतिक गठबंधनों को वैचारिक मतभेदों से सत्ता-साझाकरण समझौतों में बदल दिया है। iv) नई आर्थिक नीतियाँ: अधिकांश राजनीतिक दल नई आर्थिक नीतियों का समर्थन करने लगे क्योंकि उनका मानना था कि ये नीतियाँ देश को समृद्धि और दुनिया में आर्थिक शक्ति का दर्जा दिलाएँगी। (कोई तीन)	3x2=6
	अथवा	

28 ख.	निम्नलिखित कारणों से बहुदलीय प्रणाली बेहतर है- 1. तानाशाही के लिए कोई स्थान नहीं: भले ही किसी दल को बहुमत प्राप्त हो, पर वह तानाशाही के मार्ग परन्तु नहीं जा सकती। संसदीय व्यवस्था में तानाशाही को हतोत्साहित करने के अनेक प्रावधान हैं। 2. मतदाताओं के पास बहु-विकल्प होना 1989 के चुनावों के बाद मतदाताओं के पास विकल्पों की संख्या बढ़ गई है । 3. जनमत का सच्चा प्रतिनिधित्व: बहुदलीय प्रणाली से संसद में संस्कृति, भाषा जैसी विविधताओं के कारण अलग-अलग क्षेत्र के दलों को प्रतिनिधित्व मिलता है और संसद में भारतीय विविधता झलकती है। 4. स्थायी सरकार की संभावना: यदि किसी भी दल को बहुमत प्राप्त नहीं होता तो कुछ दल गठबंधन करके स्थायी सरकार बना सकते हैं। 5. प्रत्येक आकांक्षी को संसद का सदस्य बनने का अवसर मिलता है। 6. राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों में दूरी घटती है और सहयोग बढ़ता है। (कोई चार बिंदु)	4x1½=6
29 क.	I. स्वतंत्रता और विभाजन के बाद हमारे नेताओं को महसूस हुआ कि भाषाई आधार पर राज्यों के गठन से अफरा-तफरी और विघटन की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। यह भी महसूस किया गया कि इससे लोगों का ध्यान देश के सामने की अन्य सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों से हट जाएगा। II. आंध्र प्रदेश के बनने से देश के अन्य भागों में नए राज्यों को बनाने की मांग के लिए संघर्ष को बढ़ावा दिया। III. इन आंदोलनों और संघर्षों ने 1953 में राज्य पुनर्गठन आयोग नियुक्त करने के लिए विवश किया जो राज्यों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण के प्रश्न पर विचार करेगा। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में यह स्वीकार किया कि राज्यों की सीमाओं को विभिन्न भाषाओं की सीमाओं का प्रतिनिधित्व करना चाहिए। IV. भाषायी राज्य और उनके निर्माण के लिए आंदोलनों ने लोकतांत्रिक राजनीति एवं नेताओं की प्रकृति को मूल रूप से परिवर्तित कर दिया। V. इससे राजनीति और सत्ता का रास्ता अब चंद अंग्रेजी बोलने वालों की बजाय आम लोगों के लिए खुल गया। VI. भाषायी संगठनों ने राज्यों की सीमाओं के निर्धारण के लिए एक आधार प्रदान किया। इसने राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया और विविधता के सिद्धांत की स्वीकृति को रेखांकित किया।	6
	अथवा	
29 ख.	स्वतंत्रता के समय 565 देशी रियासतें थी। विभाजन के तुरंत बाद सांप्रदायिक हिंसा चरम पर थी। देशी रियासतों के प्रति सरकार का रवैया निम्नलिखित बातों से संदर्शित था। I. प्रथम, अधिकांश रजवाड़े स्पष्ट रूप से भारतीय संघ का अंग बनना चाहते थे। II. दूसरे, सरकार कुछ क्षेत्रों को स्वायत्तता देने में नरम थी। विचार था कि विविधता को समायोजित करना तथा क्षेत्रीय मांगो के प्रति नरम रवैया रखना है । III. तीसरे, विभाजन की पृष्ठभूमि में क्षेत्रों के सीमांकन पर प्रतिस्पर्धा तथा राष्ट्र की क्षेत्रीय सीमाओं का एकीकरण एवं समेकन सबसे महत्वपूर्ण विषय बन गया। मणिपुर का विलय I. 1947 में स्वतंत्रता के बाद मणिपुर के महाराजा बोधचंद्र सिंह ने भारतीय संघ में विलय के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए कि मणिपुर की स्वायतता को बनाए रखा जाएगा। मणिपुर के लोगों के दबाव में महाराजा ने 1948 में चुनाव करवाए और राज्य एक संवैधानिक राजशाही बन गया।	3+3=6

	II.इस प्रकार व्यस्क मताधिकार के आधार पर चुनाव करवाने वाला मणिपुर पहला राज्य था। भारत सरकार सितंबर 1949 में महाराजा पर विलय पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए दबाव डालने में सफल रही। इससे मणिपुर में व्यापक असंतोष और गुस्सा था।	
30 क.	I. आसियान की स्थापना मूल रूप से सामाजिक प्रगति और सांस्कृतिक विकास के माध्यम से आर्थिक विकास को गति देने के लिए की गई थी। सिद्धांत: यह अब भी एक आर्थिक संगठन है। II. यद्यपि समग्र रूप से आसियान अमरीका, यूरोपीय संघ और जापान की तुलना में काफी छोटी अर्थव्यवस्था है फिर भी इसकी अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही है। इससे आसियान का अपने क्षेत्र और क्षेत्र से बाहर प्रभाव बढ़ रहा है। III. आसियान का उद्देश्य आसियान के देशों के बीच एक साझा बाजार और उत्पादन आधार निर्मित करना है। एक आर्थिक समुदाय के रूप में यह वर्तमान मे आसियान की उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। IV. आसियान ने अपना ध्यान विशेष निवेश, श्रम और सेवाओं के लिए एक मुक्त व्यापार क्षेत्र निर्मित करने पर केंद्रित किया है। अमरीका और चीन ने में आसियान के साथ मुक्त व्यापार क्षेत्र निर्मित करने के लिए वार्ता की है। V. आसियान की वर्तमान आर्थिक मजबूती, विशेष रूप से इसकी आर्थिक प्रासंगिकता ने इसको भारत और चीन जैसी बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं के लिए वाणिज्य और निवेश का एक आकर्षक प्रस्ताव बना दिया है। भारत ने आसियान के दो सदस्य देशों सिंगापुर और थाईलैंड के साथ मुक्त व्यापार साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए है और आसियान के साथ ऐसा ही समझौता करने के प्रयास कर रहा है। VI. आसियान की ताकत सदस्य देशों तथा गैर क्षेत्रीय संगठनों के साथ वार्ता और परामर्श करने की नीतियों में निहित है। (कोई चार)	4x1½=6
	अथवा	
30 ख.	द्वितीय विश्व युद्ध में हार के वर्षों के बाद जापान प्राकृतिक संसाधनों की कमी के बावजूद एक विकसित एशियाई देश के रूप में उभरा है। i) आज यह विश्व की तीसरी सबसे बढ़िया अर्थव्यवस्था है और जी-7 का एकमात्र एशियाई सदस्य देश है। ii) यह संयुक्त राष्ट्र के बजट में योगदान देने वालों में दूसरे स्थान पर है जो बजट का 10% योगदान के रूप में देता है। 1951 से इसका संयुक्त राज्य के साथ सुरक्षा गठबंधन है। जापानी संविधान के अनुच्छेद 9 के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय विवादों को सुलझाने के लिए बल प्रयोग करने या धमकी देने अथवा युद्ध को नकारने का संप्रभु अधिकार का प्रावधान है। iii) यद्यपि जापान का सैन्य खर्च सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 1% है तथापि यह विश्व का सातवां बड़ा स्थान रखता है। iv) जापान के कुछ ब्रांड जैसे सोनी, पैनासोनिक, सुजुकी, टोयाटा उच्च प्रौद्यौगिकी उत्पाद बनाने के लिए प्रख्यात है। v) जापान आर्थिक सहयोग और विकास संगठन का सदस्य है। vi) यह आबादी की दृष्टि विश्व मे ग्यारहवां स्थान रखता है। यदि यह एशिया के अन्य शक्तिशाली देशों के साथ अपने राजनीतिक संबंध विकसित करे तो यह विश्व में शक्ति के एक वैकल्पिक केंद्र के रूप में उभर सकता है। (या कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु)	4x1½=6